शनिवार
18 नवम्बर 2023

पृष्ठ 4
सेहत ही नहीं खूबसूरती का भी खज़ाना है पालक

पृष्ठ 5
रिवीलिंग लहंगा पहन मलाइका ने रैंप पर बिखेरा हुस्न की अदाओं का कहर

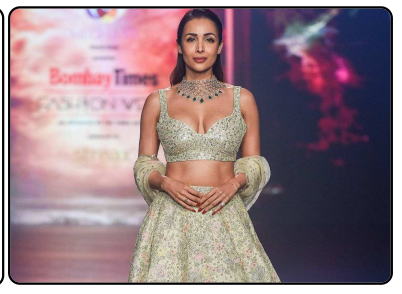

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 276
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

प्रकृति अपरिमित ज्ञान का भंडार है, परंतु उससे लाभ उठाने के लिए अनुभव आवश्यक है।
– हरिऔध

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सीओ के बेटे ने की मां की हत्या, गिरफ्तार

❑अपनी नस काटकर की आत्महत्या का कोशिश

संवाददाता

देहरादून। मुरादबाद में तैनात सीओ मलखान सिंह के बेटे ने सब्बल से वार कर अपनी मां की हत्या कर दी और उसके बाद अपनी नस काटकर आत्महत्या का भी प्रयास किया। पुलिस ने मौके पर पहुंच हत्यारोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त सब्बल अपने कब्जे में ले लिया।

मिली जानकारी के अनुसार मुरादाबाद में तैनात पुलिस क्षेत्राधिकारी मलखान सिंह का यहां पर बलबीर रोड पर स्थित जजेज कॉलोनी की भागीरथी एनक्लेव में अपना मकान है। यहां पर उनकी पत्नी बबीता व बेटा आदित्य रहते हैं। आज प्रात: मलखान सिंह ने अपनी पत्नी बबीता के मोबाइल पर फोन किया लेकिन दूसरी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। जिसके बाद मलखान सिंह ने अपने पडोसियों को फोन किया लेकिन वहां से भी कोई जवाब नहीं मिला तथा एक पडोसी फोन सुनने के बाद मकान में गया लेकिन बाहर से कुछ दिखायी नहीं दिया। जिसके बाद आज दोपहर को मलखान सिंह स्वंय घर पर पहुंचे और उन्होंने घर का दरवाजा खुलवाया तो दरवाजा उनके बेटे आदित्य ने खोला। उन्होंने अन्दर निगाह मारी तो उनके होश उड गये मकान के अन्दर बेडरूम में उनकी पत्नी बबीता का खून से लथपथ शव पडा हुआ था। आदित्य के हाथ से खून बह रहा था उसने अपने हाथ की नस काट ली थी। जिसके बाद मलखान सिंह को समझते देर नहीं लगी कि उनके बेटे ने ही अपनी मां की हत्या कर दी है। जिसके बाद उन्होंने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

दिनदहाडे बेटे के द्वारा मां की हत्या किये जाने की सूचना मिलते ही आसपास के क्षेत्र में भी सनसनी फैल गयी और काफी संख्या में लोग वहां पर एकत्रित हो गये। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी अजय सिंह, एसपी सिटी श्रीमती सरिता डोभाल, सीओ अनिल जोशी, डालनवाला कोतवाल राजेश शाह मौके पर पहुंचे और हत्यारोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त सब्बल बरामद कर ली। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दें कि सीओ मलखान सिंह पूर्व में वर्ष 2002 में देहरादून में एसपी सिटी गणेश सिंह मर्तोलिया के स्टेनों रह चुके हैं।

-सिलक्यारा मिशन जिंदगी जारी-
चालीस घंटे से रेस्क्यू कार्य ठप

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग में फंसे लोगों को बचाने के लिए चलाये जा रहे रेस्क्यू ऑपरेशन को रुके हुए चालीस घंटे का समय होने को है। लेकिन ड्रिलिंग और पाइप डालने का काम रुका हुआ है। कल दिल्ली से मंगाई गई हाई पावर आगर मशीन में आई तकनीकी दिक्कत के बाद काम को रोक दिया गया था जिसे अभी तक शुरू नहीं किया जा सका है। जिसके कारण सुरंग में फंसे लोगों के परिजनों का गुस्सा और चिंता बढ़ती जा रही है। उधर कल इंदौर से मंगाई गई आगर मशीन के कल पुरजों से लदे ट्रक भी दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए हैं जिन्हें अब स्टॉल किए जाने का काम किया जा रहा है। रेस्क्यू कार्य कब शुरू हो पाएगा? इसके बारे में अभी कोई पुख्ता जानकारी नहीं दी गई है।

❑कई विकल्पों पर माथापच्ची जारी
❑पीड़ित परिजनों में चिंता व बेचैनी

पीएमओ की निगरानी में किया जा रहा रेस्क्यू कार्य को आगे बढ़ाने और अन्य विकल्पों पर चिंतन मंथन के लिए अधिकारियों और जियो लॉजिकल विभाग की टीम ने आज सुरंग के ऊपरी हिस्से का सर्वे किया और इस बात की संभावनाएं तलाश करने की कोशिश की कि क्या सुरंग के ऊपर से ड्रिलिंग के जरिए सुरंग में फंसे लोगों तक पहुंचा जा सकता है वहीं क्या वर्तमान सुरंग के वर्टिकल कोई छोटी सुरंग बनाई जा सकती है जिससे फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला जा सके।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

स्कॉर्पियो पेड़ से टकरायी, पांच लोगों की मौत

गिरिडीह । झारखंड के गिरिडीह में बड़ा हादसा हो गया है। यहां एक्सीडेंट में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। यह सभी लोग बारात से लौट रहे थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लिए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिए। जानकारी के अनुसार, यह घटना देर रात तीन बजे बिरनी थाना क्षेत्र के बाघमारा लुकैया में हुई। स्कॉर्पियो में सवार होकर सभी लोग बिरनी के थोरिया से स्कॉर्पियो से गिरिडीह के टिकोडीह गए हुए थे। रात में सभी लोग वापस घर लौट रहे थे। इसी बीच स्कॉर्पियो पेड़ से टकरा गई। घटना के बाद कार के परखच्चे उड़ गए। आसपास के लोगों ने देखा तो तुरंत मौके पर पहुंचे और कार से लोगों को बाहर निकाला। हादसे की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना की खबर हादसे के शिकार हुए लोगों के परिजनों को दे दी। सूचना मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना को लेकर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कार में सवार पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में 4 बिरनी थाना क्षेत्र के गजोडीह के रहने वाले हैं, वहीं एक चरघरा पहरिया डीह का रहने वाला है। शव कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया।

'जादूगर' को राजस्थान की जनता 3 दिसंबर को करेगी 'छूमंतर': पीएम मोदी

भरतपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 18 नवंबर को चुनावी राज्य राजस्थान के भरतपुर में विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस और अशोक गहलोत की राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा, कुछ लोग यहां खुद को जादूगर कहते हैं। अब उन्हें राजस्थान की जनता कह रही है - 3 दिसंबर कांग्रेस छू मंतर। पीएम मोदी ने कहा, अबसे ठीक एक हफ्ते बाद राजस्थान में मतदान होने वाला है। हर तरफ एक ही गूंज है, जन-जन की यही पुकार आ रही है भाजपा सरकार।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, एक तरफ भारत दुनिया में अग्रणी बन रहा है। दूसरी तरफ राजस्थान में बीते 5 वर्ष में क्या हुआ वो आप सब जानते हैं। कांग्रेस ने राजस्थान को भ्रष्टाचार, दंगों और अपराधों में अग्रणी बना दिया है। इसलिए राजस्थान कह रहा है - जादूगर जी कोनी मिले वोट जी। पीएम ने कहा, भाजपा ने राजस्थान में एक शानदार संकल्प पत्र जारी किया है। भाजपा का संकल्प है - राजस्थान को देश का अग्रणी राज्य बनाएंगे। भाजपा का संकल्प है - राजस्थान में भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करेंगे। भाजपा का संकल्प है - बहनों-बेटियों के लिए सुरक्षित माहौल बनाएंगे। राजस्थान भाजपा ने जो वादे किए हैं उन्हें पूरा करने के लिए हम जी-जान लगा देंगे। आपसे किए गए ये वादे जरूर पूरे होंगे ये मोदी की भी गारंटी है। उन्होंने कहा, कांग्रेस जहां-जहां आती है, वहां-वहां आतंकवादी, अपराधी और दंगाई बेलगाम हो जाते हैं। कांग्रेस तुष्टिकरण के लिए किसी भी हद तक जा सकती है, चाहे इसके लिए आपका जीवन तक दांव पर क्यों न लगाना पड़े।

दून वैली मेल

संपादकीय

चुनौतियों में फंसा रेस्क्यू अभियान

सिलक्यारा टनल में फंसे 41 श्रमिकों की जान बचाने के लिए भले ही युद्ध स्तर पर रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा हो लेकिन एक सप्ताह का समय बीत जाने के बाद भी बचाव और राहत कार्य में जुटी टीमों को अभी तक आशातीत सफलता नहीं मिल सकी है। इस अभियान की असफलता राज्य और केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर तो सवाल खड़े करती ही है साथ ही उनकी कथनी और करनी के फर्क को भी दर्शाती है। इंडिया इज ऑन मून की उपलब्धि पर गर्वान्तित होने और अब सूर्य फतेह की तैयारी का दावा करने वाले लोगों को अब इस मुद्दे पर चिंतन करने की जरूरत है कि जब वह एक सुरंग में 50-60 मीटर की दूरी पर फंसे 41 लोगों की जान एक सप्ताह में भी अपनी पूरी ताकत झोंक कर भी नहीं बचा पाए हैं तो फिर इतनी बड़ी बातें और दावे करने की क्या जरूरत है? सिलक्यारा में बचाव और राहत कार्य जो अब तक किए गए हैं उनके नतीजे अभी शुन्य ही कहे जा सकते हैं। इन तमाम प्रयासों के बारे में यह कहना भी अनुचित नहीं होगा कि यहां एक के बाद एक प्रयोग किया जा रहे हैं। जब किसी की जान बचाने का सवाल हो तो वहां किसी प्रयोग की बजाय सबसे प्रभावी उपायों पर अमल किया जाना जरूरी होता है। ऐसे समय में बहुत सारे विकल्पों पर सोचने और काम करने का समय नहीं होता है। उसके लिए प्लान ए बी सी डी का फार्मूला अप्लाई नहीं किया जाना चाहिए। इस अभियान में प्लान ए और प्लान बी पर काम करते-करते पूरा एक सप्ताह का समय गुजर चुका है। गनीमत यह है कि अभी तक सुरंग में फंसी सभी 41 जिंदगियों के सुरक्षित होने का समाचार है और एकमात्र 4 इंच के डायमीटर का वह पाइप उनकी जीवन रक्षा कर पा रहा है जिसके माध्यम से उन तक ऑक्सीजन पानी और रसद पहुंच रहा है। लेकिन सवाल सबसे बड़ा यही है कि इस उपाय से सुरंग में फंसे लोग कितने समय तक सुरक्षित रह पाएंगे और उन्हें बाहर निकलने में अभी और कितना समय लगेगा किसी भी बचाव और राहत कार्य में रिस्पांस टाइम का सबसे बड़ा महत्व होता है। इस सुरंग में फंसे लोगों द्वारा एक सप्ताह में जो हिम्मत और हौसला दिखाया गया है उनका वह जज्बा काबिले तारीफ है तथा जब तक उनका हौसला बरकरार है तब तक उनके सुरक्षित बाहर आने की उम्मीद भी बनी रहेगी लेकिन हर एक स्थिति और परिस्थिति की एक समय सीमा भी होती है। किसी भी सूरत में अब इन्हें जल्द से जल्द बाहर निकाले जाने की जरूरत है भले ही इसके लिए एक साथ प्लान सी और डी सहित सभी विकल्पों पर काम करना पड़े। जब दिवाली के दिन यह हादसा हुआ तो सूबे के मुख्य सेवक धामी दुर्घटना स्थल पर स्वयं गये थे उनकी उपस्थिति से निश्चित ही इस बचाव व राहत कार्य को बल मिला था बीते कल मुख्यमंत्री धामी राजस्थान में चुनावी रैलियां को संबोधित करते दिखे एक बार सिलक्यारा जाने के बाद वह और उनकी टीम भले ही यहां चलाये जा रहे अभियान पर नजर बनाए हो लेकिन जिनके परिजन इस टनल में फंसे हुए हैं वह लोग आज यह सवाल उठा रहे हैं कि क्या किसी की जान बचाने से ज्यादा जरूरी है चुनाव प्रचार? इस बचाव राहत कार्य में हो रही देरी और ऐसी कुछ बातें जो लोगों को चुभ रही है, से सरकार की छवि खराब हो रही है और एक गलत संदेश जनता में जा रहा है। सच यह है की सुरंग में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम अब सरकार के लिए भी उसकी प्रतिष्ठा का सवाल बन चुका है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है यह काम अत्यंत कठिन और चुनौती पूर्ण है। ऐसा होना चाहिए था वैसा होना चाहिए था जैसी बातें कर लेना बहुत आसान है धरातल में काम करना उतना ही मुश्किल है। यह असफलता कब तक सफलता में बदलती है अब इस पर ही पूरे देश और प्रदेश की नजरें लगी हुई है।

नौकरी के नाम पर ठगे 80 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। फर्जी कम्पनी का ज्वाइनिंग लेटर देकर 80 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अम्बीवाला प्रेमनगर निवासी जीवन पाण्डे ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके बेटे प्रियांशु पाण्डे ने होटल मैनेजमेंट का कोर्स किया है। 31 अक्टूबर को एक मेल आई जिसमें एक कम्पनी का सलेक्शन होने का मैसेज आया। ओर उस मोबाइल नम्बर से बात होने पर उसने अपना नाम कैप्टन दीपक बताया और कहा कि मेल उसके द्वारा भेजी गयी है। आपका सिलैक्शन हो गया है। जिसके बाद उसके बेटे ने बताया कि कम्पनी को कुछ पैसे भेजने हैं जो प्रोसिजिंग फीस है। जिसके बाद उसने कम्पनी को 80 हजार रूपये खाते में डाल दिये। जिसके बाद उसका बेटा नौकरी के लिए गोवा गया तो पता चला कि उक्त कम्पनी फर्जी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अभि ब्रह्मीरनूषत यह्वीर्ऋतस्य मातरः।
मर्मृज्यन्ते दिवः शिशुम्।।

(ऋग्वेद ९-३३-५)

ईश्वर द्वारा प्रकट की गई पवित्र वैदिक वाणी हमें उन सत्य नियमों के बारे में बताती है जिनका हमें पालन करना चाहिए। हम भगवान के बालक हैं। वेदवाणी हमें पवित्र कर जीवन का लक्ष्य, मोक्ष, का मार्ग दिखाती है।

सौंदर्यकरण को लेकर प्रथम वेंडिंग जोन का अधिकारियों ने किया निरक्षण

संवाददाता

हरिद्वार। प्रथम वेडिंग जोन के सौदर्यकरण को लेकर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों व कर्मचारियों ने निरीक्षण किया।

आज यहां उत्तराखंड सरकार की निर्देशन में हरिद्वार नगर निगम प्रशासन द्वारा रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के व्यापार संचालन के लिए विकसित किए गए प्रथम वेंडिंग जोन चंडी चौराहा मार्ग के सौंदर्यकरण की मांग विगत वर्षों से लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा की जा रही थी जिस पर प्रथम वेंडिंग जोन के सौंदर्य करण के कार्य को लेकर रुड़की हरिद्वार विकास प्राधिकरण के अधिकारी ठेकेदार व कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से क्षेत्रफल का नक्शा व भूमि नापने का कार्य के साथ निरक्षण किया।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा हरिद्वार के चौमुखी विकास में रुड़की हरिद्वार विकास प्राधिकरण द्वारा भागीरथ प्रयास किया जा रहे हैं सौंदर्य करण में वेंडिंग जोन को सम्मलित किया जाना प्रशंसा का विषय है।

उन्होंने कहा प्रथम वेंडिंग जोन के विकास कार्यों में विकास प्राधिकरण द्वारा वेंडिंग जोन में सोलर लाइट टाइल्स सीसीटीवी कैमरे हरियाली के लिए गमले इत्यादि सौंदर्य करण के कार्य शीघ्र किए जाने से वेंडिंग जोन के सभी लाभार्थी लघु व्यापारी उत्तराखंड सरकार के साथ रुड़की हरिद्वार विकास प्राधिकरण नगर निगम प्रशासन के आभारी हैं।

भारी मात्रा में चरस सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने भारी मात्रा में चरस सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गयी है। मामला काठगोदाम थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना काठगोदाम पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को काठगोदाम के पास हैडाखान से हल्द्वानी की ओर आ रहा बाइक सवार एक संदिग्ध दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक किलो 200 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम पुत्तन खॉ पुत्र बाबू खॉ निवासी गफूर बस्ती वनभूलपुरा बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

10 पेटी अंग्रेजी शराब सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। शराब तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने दस पेटी अंग्रेजी शराब व तस्करी में प्रयुक्त कार सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना देघाट पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ शराब तस्कर भारी मात्रा में शराब की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को थाना देघाट को जाने वाले तिराहे पर शर्मा जनरल स्टोर के समीप एक संदिग्ध सेंट्रो कार आती हुई दिखायी दी। जिसे रोक कर चैक किया गया तो उसमें रखी दस पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। कार सवार दो लोगों ने पूछताछ में अपना नाम श्याम सिंह मनराल पुत्र चन्दन सिंह मनराल, निवासी ग्राम बसेड़ी, थाना देघाट, जनपद अल्मोड़ा व हेमन्त ढौडियाल पुत्र मथुरा दत्त ढौडियाल, निवासी ग्राम बसनलगाँव, थाना देघाट, जनपद अल्मोड़ा बताया। पुलिस ने उन्हे आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

थानाध्यक्ष देघाट राहुल राठी ने बताया कि आरोपी अवैध शराब को स्याल्दे की ओर से नागचुलाखाल की तरफ ले जा रहे थे, शादी के सीजन होने के कारण अधिक दामों में बेचकर लाभ कमाने के उद्देश्य से ले जा रहे थे, जिन्हें चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है।

किसान संगठन के प्रतिनिधियों की समस्याओं को कृषि मंत्री ने सुना

संवाददता

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने भारतीय किसान संगठन के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्यायें सुनी और अधिकारियों को निर्देश दिये।

आज यहां प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी से हाथी बड़कला स्थित कैंप कार्यालय में भारतीय किसान संगठन (टिकैत) उत्तराखंड के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। इस दौरान किसान संगठन के प्रतिनिधियों द्वारा कृषि मंत्री गणेश जोशी को किसानों से संबंधित कई विभिन्न समस्याओं को रखा। उन्होंने मंत्री से किसानों को मनरेगा से जोड़ने के लिए अनुरोध किया जिसपर मंत्री ने सम्बंधित अधिकारी को दूरभाष के माध्यम से निर्देशित किया। किसान संगठन द्वारा हरिद्वार जनपद में किसानों को सब्सिडी में मिलने

वाले कृषि यंत्रों को मार्केट रेट पर किसानों को देने तथा विभिन्न फसलों की दवाइयों की गुणवत्ता सहित कई मांगों को मंत्री के समक्ष रखा।

मंत्री ने विभाग के उच्च अधिकारियों से दूरभाष के माध्यम से किसानों की समस्या के निराकरण को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कृषि मंत्री ने किसान संगठन के प्रतिनिधियों को सकारात्मक आश्वासन देते हुए शीघ्र सभी समस्याओं के निराकरण का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन टिकेत गढ़वाल मंडल अध्यक्ष संजय चौधरी, मंडल संगठन मंत्री सरदार इंद्रजीत सिंह, संरक्षक सरदार गुरदीप सिंह, सरदार प्रिंस युवा, राव शौकीन, मीडिया प्रभारी महानगर राव गुलफाम आदि उपस्थित रहे।

कोई भी एसेंशियल ऑयल लेने से पहले रखें इन 5 बातों का ध्यान, वरना पैसे होंगे बर्बाद

एसेंशियल ऑयल का नाम अब हमारे बीच काफी कॉमन सा हो गया है। बात चाहे स्किन केयर की हो या फिर हेयर केयर, इनका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर किया जाने लगा है। एसेंशियल ऑयल पूरी तरह से नैचुरल होते हैं इसलिए लोग इन्हें आसानी से खरीदकर उपयोग कर लेते हैं।

मार्केट या ऑनलाइन स्टोर पर आपको इनकी ढेरों वैराइटीज मिल जाएंगी, मगर कुछ इनमें से शुद्ध होंगे और कुछ मिलावटी। कई बार हम भी अपनी नासमझी की वजह से सस्ते के चक्कर में गलत प्रकार का एसेंशियल ऑयल लाकर यूज करने लगते हैं। लेकिन हमेशा याद रखें कि स्किन पर लगाई जाने वाली कोई भी चीज लेने से पहले उसकी शुद्धता को जरूर परख लें। शुद्ध एसेंशियल ऑयल हमेशा महंगे मिलेंगे साथ ही उनकी कुछ और खूबियां होंगी, जो आज हम आपसे शेयर करेंगे। यहां जानें एसेंशियल ऑयल लेने से पहले किन जरूरी बातों का ध्यान रखें...

बोतल की जांच करें

एसेंशियल ऑयल को कभी भी प्लास्टिक या किसी अन्य बोतल में न खरीदें। सभी परिस्थितियों में, इसे एक कांच की बोतल में ही होना चाहिए। बोतल की प्रामाणिकता की जांच करने के लिए दूसरा महत्वपूर्ण कारक इसका रंग होता है। यह आपको कोबाल्ट ब्लू या एंबर-ब्राउन कांच की बोतल में मिलेगा। इन तेलों को प्लास्टिक में पैक नहीं किया जाता है, क्योंकि प्लास्टिक के ब्रेकडाउन होने की संभावना काफी ज्यादा होती है। इससे एसेंशियल ऑयल अपने गुणों को खो सकते हैं।

लेबल पर होना चाहिए लैटिन में नाम

एसेंशियल ऑयल की बोतल में उपयोग किए गए पौधे के आम नाम के साथ ही उसका लैटिन नाम भी दिया होना जरूरी है। इसके अलावा, यह भी जांचें कि क्या लेबल में इस बात की भी जानकारी दी गई है, कि तेल बनाने के लिए पौधों के किस हिस्से का इस्तेमाल किया गया था और इसे कैसे निकाला गया था। हालांकि, कई बार लोग 1०० प्रतिशत शुद्ध एसेंशियल ऑयल खरीदना पसंद नहीं करते।

ये नहीं हो सकता एसेंशियल ऑयल

हर सुगंधित तेल जो कांच की छोटी बोतल में आता है, वह जरूरी नहीं कि एसेंशियल ऑयल ही हो। यदि आप बोतल पर लिखे एक ऐसे लेबल को पढ़ती हैं, जिस पर खुशबूदार तेल लिखा है, तो इसका मतलब है कि यह बस एक अच्छा महकने वाला तेल है।

ऑक्सीकरण

आप कभी ऐसा आइटम नहीं खरीदना चाहते जो ऑक्सीडाइज्ड हो। ये ज्यादातर नकली एसेंशियल ऑयल के साथ होता है, क्योंकि यह काफी लंबे समय तक चलने के लिए बनाए जाते हैं। मिलावटी एसेंशियल ऑयल ऑक्सीकरण के कारण खराब हो जाता है।

एसेंशियल ऑयल की कीमत

एसेंशियल ऑयल का उत्पादन कई कंपनियों के द्वारा किया जाता है, ऐसे में जो ऑयल शुद्ध और नैचुरल होगा, उसकी कीमत काफी ज्यादा हो सकती है। कुछ ऐसे कारक हैं जिन पर एसेंशियल ऑयल की लागत निर्भर हो सकती है, जैसे- खेती की प्रक्रिया, सही पौधे की उपलब्धता, हार्वेस्टिंग या फिर तेल निकालने का तरीका। (आरएनएस)

अपने से 12 साल छोटे लड़के को डेट कर रही हैं गौहर खान!

शाहिद कपूर व प्रियंका चोपड़ा के बाद अब बॉलीवुड एक्ट्रेस गौहर खान अपने से 12 छोटे जैद दरबार को डेट कर रही हैं. जैद दरबार, इस्माइल दरबार के बेटे हैं. हालांकि गौहर खान इन दिनों बिग बॉस 14 की वजह से सुर्ख़ियों बनी हुई हैं. बिग बॉस में गौहर ने सीनियर कंटेस्टेंट के रूप में एंट्री ली है. वहीं अगर उनके लव अफेयर की बात करी जाए तो एक्टर कुशल टंडन से ब्रेकअप के बाद तो उनकी लाइफ से प्यार के मौसम गायब हो गए थे. हालांकि जैद दरबार के रूप में उनकी जिन्दगी में प्यार की बहार फिर लौट आई है.

वहीं अगर हम जैद दरबार की बात करें तो वह पेशे से एक्टर, टिकटॉक स्टार, डांसर, इनफ्लुएंसर और कंटेंट क्रिएटर हैं. सोशल मीडिया पर जैद की काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है. आपकी जानकारी के लिए बता दें जैद दरबार टिक टॉक स्टार अवेज दरबार के भाई हैं. इतना ही नहीं वह एक प्रोफेशनल डांसर भी हैं.

जानकारी के मुताबिक जैद और गौहर खान अब अपने इस रिश्ते को एक कदम और आगे लेकर जाना चाहते हैं. ये कपल अगले महीने यानी नवंबर में शादी के बंधन में बंध सकते हैं. म्यूजिक कंपोजर इस्माइल दरबार ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया है कि उनके बेटे गौहर के बिग बॉस के घर में जाने से पहले उनसे मिलवाने घर लेकर आए थे. उन्होंने बताया कि गौहर ने हमारे साथ तकरीबन 4 घंटे का वक्त बिताया. हमने साथ में बिरयानी खाई. उन्होंने कहा कि उनके बेटे ने जिक्र किया कि वह दोनों अपने रिश्ते को लेकर काफी सीरियस हैं. उन्होंने कहा बिग बॉस के घर में जाने से पहले गौहर खान ने उन्हें फोन किया था और आशीर्वाद मांगा था. इस्माइल दरबार ने कहा मुझे उनके रिश्ते को लेकर कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन मैंने इस बात को जरूर कहा था कि गौहर तुमसे 12 साल बड़ी हैं. वहीं नवंबर में दोनों की शादी को लेकर जैद की मां आयशा ने कहा कि अभी तक हमने शादी को लेकर कोई बात नहीं की है, लेकिन अगर बच्चे कल कहेंगे या 6 महीने के बाद की शादी की तारीख तय तो हम बच्चों के साथ हैं.(आरएनएस)

अपर मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने महिला एवं बाल विकास विभाग को जनपदों में सुगम एवं सुरक्षित स्थानों पर ही महिला छात्रावासों को स्थापित करने, सभी वर्किंग वूमेन हॉस्टल में बच्चों के लिए अनिवार्यत: क्रैश बनवाने, सभी सैनेटरी नैपकिन वैण्डिंग मशीनों में पर्याप्त रिफलिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने महिला उत्पीड़न के खिलाफ विशेषकर बालकों को सेंस्टाइज (संवेदीकरण) करने हेतु स्कूल कॉलेज में जागरूकता अभियान चलाने एवं इस सम्बन्ध में विभाग को गाइडलाइन्स बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी पार्कों में एक हिस्सा अनिवार्यत: बच्चों के क्रीड़ा स्थल के रूप विकसित करने तथा पार्कों को इंटिग्रेटेड क्रीड़ा स्थल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए हैं।

अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा सचिवालय में की। आज की बैठक में कृषि एवं कृषक कल्याण, महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास, सैनिक कल्याण, परिवहन, नागरिक उड्डयन, तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक विकास विभाग से सम्बन्धित घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

एसीएस श्रीमती रतूड़ी ने सभी विभागों को अपूर्ण घोषणाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में अद्यतन स्थिति को मुख्यमंत्री

घोषणा पोर्टल पर समय से अद्यतन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणाओं प्राथमिकता से पूरा करने एवं तकनीकी कारणों से हस्तान्तरित एवं विलोपित की जाने वाली घोषणाओं को जल्द से जल्द अपडेट करने के भी निर्देश दिए हैं। एसीएस ने तकनीकी शिक्षा विभाग को टीएचडीसी-आईएचईटी को आईआईटी रूड़की का हिल कैम्पस बनाए जाने के सम्बन्ध में भारत सरकार को तत्काल प्रस्ताव भेजने के भी निर्देश दिए हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि राज्य के प्रत्येक जनपद मुख्यालय पर अध्ययनरत छात्राओं की शिक्षा को सुगम एवं सुविधाजनक बनाने हेतु एक-एक महिला छात्रावास के निर्माण के सम्बन्ध में तथा राज्य में आवश्यकतानुसार जनपद मुख्यालयों पर कामकाजी महिला छात्रावास के निर्माण हेतु विभाग द्वारा महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्रालय नई दिल्ली को वित्तीय एवं भौतिक स्वीकृति हेतु पत्र प्रेषित किया गया है। जी रैया चेली जागी रैया नौनी योजना के तहत जनपदों में 14-18 वर्ष की बालिकाओं को टीएचआर दिया जा रहा है। जी रैया चेली जागी रैया नौनी के तहत 11 से 18 वर्ष की किशोरियों को सेनेटरी नैपकीन उपलब्ध करवाने हेतु प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्रो में सेनेटरी नैपकीन वेण्डिंग मशीन स्थापना हेतु 10 करोड़ की धनराशि निर्गत की जा चुकी है। सेनेटरी नैपकिन वैंडिंग मशीन जीईएम के माध्यम से क्रय कर जनपद देहरादून और ऊधमसिंह नगर में आपूर्ति की जा चुकी है। अन्य जनपदों हेतु कार्यवाही गतिमान है।

बैठक में कृषि एवं कृषक कल्याण, महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास, सैनिक कल्याण, परिवहन, नागरिक उड्डयन, तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैम्पसः रोहिताश सिंह मैमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट

निर्मल आश्रम दीपमाला ऋषिकेश ने द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैम्पस को हराया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैम्पस सहस्त्रधारा रोड के तत्वावधान में रोहिताश सिंह मैमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट में निर्मल आश्रम दीपमाला ऋषिकेश की टीम ने मेजबान द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैम्पस को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से पराजित करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।

सहस्त्रधारा रोड स्थित द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैम्पस के मैदान में रोहिताश सिंह मैमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट का आगाज हर्षोल्लास एवं धूमधाम से हुआ। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक सिद्धार्थ चौधरी, चन्द्रिका चौधरी, प्रधानाचार्य दीपाली सिंह, उप प्रधानाचार्य स्वाति पपनै ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फुटबाल पर शॉट मारने के साथ ही आकाश में गुब्बारे छोड़कर शुरूआत की।

इस अवसर पर पहला मैच द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैम्पस एवं निर्मल आश्रम दीप माला ऋषिकेश के बीच खेला गया और मैच के शुरूआती पहले हाफ में दोनों ओर की टीमों ने तालमेल दिखाते हुए अच्छे खेल का परिचय दिया लेकिन बाद में ऋषिकेश की टीम के खिलाड़ी विपक्षी टीम पर हावी होने लगे और पहले हाफ की समाप्त पर ऋषिकेश की

टीम 4-0 से आगे रही।

मैच के दूसरे हाफ में ऋषिकेश की टीम के खिलाडी शुरूआती दौर से ही हावी रहे और अंतिम समय में मैच को 6-0 से जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस टीम के कैप्टन विनायक पंवार, गोलकीपर तुषार नेगी का प्रदर्शन अविस्मरणीय रहा और टीम के कोच विनोद भी टीम की जीत पर उत्साहित नजर आये।

टूर्नामेंट का दूसरा मैच गुरूनानक एकेडमी एवं सेंट थॉमस कालेज के बीच खेला जाना था लेकिन सेंट थॉमस कालेज की टीम के निर्धारित समय पर मैदान पर न पहुंचने के कारण गुरूनानक एकेडमी की टीम को वॉक ओवर प्रदान किया गया। एक अन्य मैच विल हिल्स स्कूल और न्यू दून ब्लॉसम स्कूल की टीम के बीच खेला गया। इस मैच में न्यू दून ब्लॉसम स्कूल ने एकतरफा मुकाबले में 5-0 से जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया।

टूर्नामेंट का एक अन्य मैच द हैरिटेज स्कूल न्यू रोड एवं दून इंटरनेशनल स्कूल के बीच खेला गया। मैच में दून इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने शुरूआती दौर से ही विपक्षी टीम पर हावी रही और मैच को 4-0 से जीतकर पूरे अंक हासिल कर अगले दौर में प्रवेश किया। इस अवसर पर द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैम्पस के निदेशक सिद्धार्थ चौधरी, निदेशक चन्द्रिका चौधरी, प्रधानाचार्य दीपाली सिंह, उप प्रधानाचार्य स्वाति पपनै, आयुष मित्तल, गौतम प्रधान, शुभि थापा, शिक्षक शिक्षिकायें एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

कनाडा का फंसा कांटा

पहले एंटनी ब्लिंकेन और फिर जस्टिन ट्रुडो के बयानों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि निज्जर हत्याकांड का मामला अभी ठंडा नहीं पड़ा है, भले इस बीच फिलस्तीन-इजराइल युद्ध छिड़ जाने से यह सुर्खियों से हट गया हो।

दिवाली के दिन कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने भारत की दुखती रग को फिर से छेड़ा। उन्होंने आरोप दोहराया कि नई दिल्ली स्थित कनाडा के राजनयिकों के कूटनीतिक अभयदान को रद्द कर भारत ने वियना संधि का उल्लंघन किया। खालिस्तानी

कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप दोहराते हुए उन्होंने कहा कि बड़े देश अगर इस तरह 卐अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन卐 करें, तो सारी दुनिया सबके लिए अधिक खतरनाक जगह बन जाती है। इसके ठीक पहले पिछले हफ्ते भारत और अमेरिका के बीच 2+2 वार्ता के लिए आए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने नई दिल्ली में पत्रकारों से कहा था कि उन्होंने भारत को निज्जर हत्याकांड के बारे में कनाडा में चल रही जांच में सहयोग करने को कहा है। इस बयान का सीधा मतलब है कि अमेरिका अपनी इस राय पर कायम है कि कनाडा के पास निज्जर की हत्या में भारत के हाथ के बारे में विश्वसनीय सबूत हैं और वहां चल रही जांच सही दिशा में है।

इन दो बयानों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि निज्जर हत्याकांड का मामला ठंडा नहीं हुआ है, भले इस बीच फिलस्तीन-इजराइल युद्ध छिड़ जाने से यह सुर्खियों से हट गया हो। भारत के नजरिए यह मामला इसलिए बेहद अहम है, क्योंकि पिछले साढ़े तीन दशक में सभी सरकारों और खासकर मोदी सरकार की नीति भारत को अमेरिकी धुरी के करीब ले जाने की रही है। चीन की बढ़ती चुनौती के बीच हाल के वर्षों में अमेरिका ने भी भारत से अपने रिश्तों को खास तरजीह दी। इसके बावजूद निज्जर मामले में उसने भारत के रुख को स्वीकार नहीं किया है। हालांकि चीन संबंधी चिंता इतनी बड़ी है कि भारत में अपने रणनीतिक निवेश को वह झटके से खत्म करने की स्थिति में नहीं है, फिर भी इस विवाद ने पश्चिम के साथ आगे बढ़ रहे रिश्तों में एक अवरोध जरूर खड़ा कर दिया है। अब यह भारत को तय करना है कि उसकी निगाह में अमेरिकी धुरी से जुडने में किए अपने रणनीतिक निवेश को बचाना महत्त्वपूर्ण है, या एक साथ सभी धुरियों को चुनौती देते हुए आगे बढना।(आरएनएस)

चुनावी राज्यों में जाति गणना का मुद्दा नहीं

पांच राज्यों में विधानसभा की घोषणा नौ अक्टूबर को हुई थी उसके एक हफ्ते पहले दो अक्टूबर को बिहार में जाति गणना के आंकड़े जारी हुए थे। इसके बाद राजस्थान सरकार ने जाति गणना का आदेश भी जारी कर दिया। उसके बाद से जाति गणना और आरक्षण की सीमा बढाने की राजनीति पर चर्चा हो रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनावी राज्यों की अपनी हर रैली में वादा कर रहे हैं कि कांग्रेस की सरकार बनी तो जाति गणना कराएगी। छत्तीसगढ़ में तो उन्होंने वादा किया कि सरकार बनी तो दो घंटे के अंदर जाति गणना का फैसला होगा। तेलंगाना और मिजोरम में भी उन्होंने जाति गणना की चर्चा की। कर्नाटक की जीत से उत्साहित कांग्रेस इसे जीत का अचूक नुस्खा मान रही है।

लेकिन जमीनी रिपोर्ट इससे उलट है। कांग्रेस के प्रदेश के शीर्ष नेताओं के इक्का-दुक्का बयानों को छोड़ दें तो कोई भी नेता जाति गणना की बात नहीं कर रहा है। मध्य प्रदेश के नेता कमलनाथ तो खैर इसका जिक्र ही नहीं कर रहे हैं। चुनावी राज्यों में उम्मीदवार भी इसके बारे में चर्चा नहीं कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादातर उम्मीदवारों को लग रहा है कि इससे मतदाताओं का एक समूह नाराज हो सकता है। उम्मीदवार तो स्थानीय स्तर पर हर जाति के लोगों से जुड़ा होता है और उनके वोट के लिए प्रयास करता है। इसलिए वह जाति गणना की बहस में पड़े बगैर अपने काम बता रहा है और स्थानीय मुद्दे उठा रहा है। यहां तक कि पिछड़ी जातियों के उम्मीदवार भी जाति गणना के बारे में बात नहीं कर रहे हैं और उसके नाम पर वोट नहीं मांग रहे है। तभी इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे नेताओं को इस मुद्दे के महत्व के बारे में नए सिरे से विचार करना होगा खासतौर से लोकसभा चुनाव की रणनीति के लिहाज से।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सेहत ही नहीं खूबसूरती का भी खज़ाना है पालक

पालक सेहत का खजाना माना जाता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसे खाने से अनगिनत फायदे होते हैं। पालक शरीर को पोषण तो देती ही है त्वचा और बालों के लिए भी जबरदस्त फायदेमंद होती है। फाइबर, प्रोटीन, विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन-के से भरपूर इस सब्जी में आयरन, फोलेट और पोटेशियम अच्छी-खासी मात्रा में पाया जाता है। चेहरे पर निखार लाने और खूबसूरती में चार चांद लगाने में पालक के फेस मास्क बेहद ही कारगर होते हैं। जानिए फेस मास्क बनाने का तरीका।

दही-पालक फेस मास्क

1. पालक के पांच पत्ते के हिसाब से तीन चम्मच दही लें

2. दोनों चीजों ग्राइंड कर पेस्ट बनाएं।

3. कम से कम 5 मिनट तक पेस्ट को चेहरे पर लगाएं।

4. इसके बाद गुनगुने पानी से चेहरे को धोएं।

5, इस पेस्ट से चेहरे का पिग्मेंटेशेन कम होगा और खूबसूरती बढ़ सकती है।

शहद-पालक मास्क

1. पालक के चार पत्ते लेकर उसका पेस्ट बनाएं।

2. इस पेस्ट में एक चम्मच शहद, नारियल तेल और ऑलिव ऑयल के साथ नींबू का रस मिलाएं।

3. इस पेस्ट को करीब 15 मिनट के लिए फेस पर लगाएं।

4. इसके बाद गुनगुने पानी से चेहरे सो धो लें।

5. चेहरा धोने से पहले गुनगुने पानी में भिगी टॉवल से भाप लें।

6. एक्ने को कम करने में यह पेस्ट कारगर है।

बेसन-पालक मास्क

1. पालक का थोड़ा पतला पेस्ट बनाकर उसमें बेसन और दही मिलाएं।

2. इस पेस्ट को चेहरे और गले पर अच्छी तरह लगाएं।

3. बेसन जब सूख जाए तब चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

4. ये फेस मास्क डेड स्किन और फ्री रेडिकल्स से छुटकारा दिला सकता है।

बालों को खूबसूरत बनाएं पालक

1. पालक के डंठल सहित लेकर पेस्ट बनाएं।

2. इस पेस्ट में एक-एक चम्मच कैस्टर ऑयल, शहद और नींबू मिलाएं।

3. अब इस पेस्ट से बालों की जड़ों में अच्छी तरह मसाज करें। करीब 30 मिनट बाद हर्बल शैंपू से सिर को अच्छी तरह धो लें। इस पेस्ट से बालों की शाइनिंग बढ़ेगी और मजबूती आएगी।

जाह्नवी कपूर के ऑफ शोल्डर लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी की बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर खूबसूरती में आपनी मां से कम नहीं हैं। एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने बोल्ड लुक्स के लिए फेमस हैं।

उनका हर एक लुक फैंस के दिलों पर खंजर चला देता है। हाल ही में जाह्नवी कपूर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और ग्लैमरस नजर आ रही हैं। बी-टाउन की मशहूर एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका हर एक अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश और बोल्ड लुक देखकर फैंस का दिल मचल गया है। जाह्नवी कपूर का लुक लोगों के बीच काफी ट्रेंड कर रहा है। जाह्नवी कपूर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में गोल्डन कलर का ऑफ शोल्डर गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। फोटोज में अभिनेत्री कैमरे के सामने सेक्सी अदाओं से किलर पोज देते हुए फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच रही हैं। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने मैसी हेयर बन बना रखा है, साथ ही लाइट मेकअप कर के अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। जाह्नवी कपूर ने अपनी इन फोटोज को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए यूजर्स से बोला है कि एक कैप्शन लिखो मेरे लिए। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। जाह्नवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्दी ही मोस्ट अवेटेड फिल्म देवरा में नजर आएंगी।

शब्द सामर्थ्य -091

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

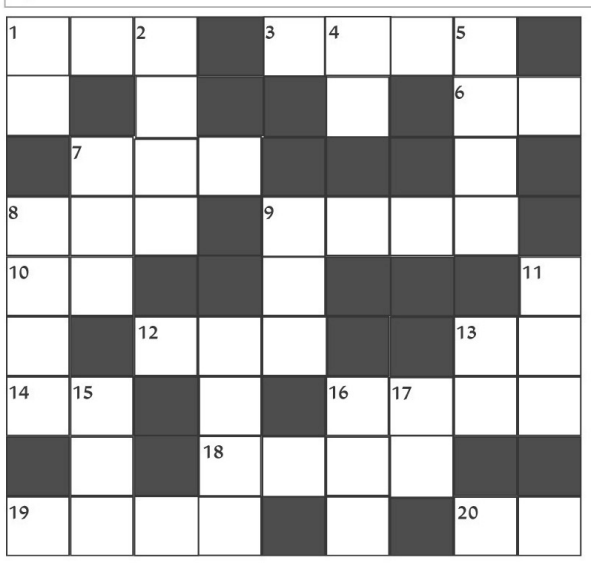

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 90 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाए हुए है 12वीं फेल

हिंदी सिनेमा जगत में विधु विनोद चोपड़ा के कुशल निर्देशन में विक्रांत मैसी की लीड रोल वाली फिल्म '12वीं फेल' को इसके दमदार कंटेंट की वजह से खूब तारीफें मिली हैं. इस कम बजट की फिल्म ने अपनी इंस्पायरिंग स्टोरी की वजह से क्रिटिक्स से लेकर ऑडियंस को खूब इंप्रेस किया है. इसी के साथ '12वीं फेल' ने बॉक्स ऑफिस पर दमदार परफॉर्म किया है और अच्छा खासा कलेक्शन कर दिया है. चलिए यहां जानते हैं विक्रांत मैसी की फिल्म ने रिलीज के 14वें दिन कितने करोड़ कमाई की है?

'12वीं फेल' सिनेमाघरों में कंगना रनौत की एरियल एक्शन फिल्म तेजस के साथ रिलीज हुई थी. बिना किसी ज्यादा शोर शराबे के रिलीज हुई '12वीं फेल' ने हर

किसी को सरप्राइज करते हुए टिकट खिड?ी पर शानदार परफॉर्म किया है. इस फिल्म ने कंगना रनौत की तेजस को भी जबदस्त मात दी है. जहां तेजस रिलीज के 14 दिन बाद भी 6 करोड़ का ही कलेक्शन कर पाई है वहीं '12वीं फेल' अब 3० करोड़ का आंकड़ा पार करने की ओर तेजी से बढ़ रही है. ये फिल्म रिलीज का दूसरा हफ्ता भी पूरा कर चुकी है.

कमाई की बात करें तो '12वीं फेल' ने अपने पहले हफ्ते में 13.०4 करोड़ का कलेक्शन किया था. इसके बाद दूसरे हफ्ते के सेकंड फ्राइडे फिल्म की कमाई 1.76 करोड़ रुपये रही. सेकंड शनिवार फिल्म ने 3.42 करोड़ कमाए तो सेकंड संडे फिल्म का कलेक्शन 3.33 करोड़ रुपये रहा. वहीं दूसरे मंडे '12वीं फेल' ने 1.32 करोड़ का कलेक्शन किया और संकेड मंगलवार को फिल्म की कमाई 1.41 करोड़ रुपये रही. '12वीं फेल' ने दूसरे बुधवार 1.46 करोड़ रुपये कमाए. वहीं अब '12वीं फेल' की रिलीज के दूसरे गुरुवार की कमाई के भी शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक '12वीं फेल' ने रिलीज के 14वें दिन दूसरे गुरुवार 1.45 करोड़ रुपयों का कलेक्शन किया है. इसके बाद फिल्म की 14 दिनों की कुल कमाई अब 27.19 करोड़ रुपये हो गई है.

'12वीं फेल' रिलीज के पहले दिन से ही करोड़ों में कलेक्शन कर ही है. फिल्म का 14 दिनों का कलेक्शन 27 करोड़ से ज्यादा हो गया है और अब ये बेहद तेजी के साथ 3० करोड़ का आंकड़ा पार करने की ओर बढ़ रही है. उम्मीद है कि इस वीकेंड पर फिल्म इस नंबर को भी पार कर जाएगी. फिलहाल हर किसी की निगाहें '12वीं फेल' के कलेक्शन पर टिकी हुई हैं.(आरएनएस)

तमिल हॉरर सीरीज़ द विलेज 24 नवंबर को प्राइम वीडियो होगी स्ट्रीम

प्राइम वीडियो ने आज अपनी आने वाली तमिल हॉरर, ऑरिजिनल सीरीज़ द विलेज के प्रीमियम की तारीख की घोषणा कर दी है. लोगों को इसका बेसब्री से इंतज़ार था. मिलिंद राऊ के डायरेक्शन में बनी द विलेज एक हॉरर सीरीज है, जो अश्विन श्रीवत्संगम, विवेक रंगाचारी, और शमिक दासगुप्ता के इसी नाम के ग्राफिक हॉरर उपन्यास पर आधारित है.

शो का टीजर सामने आ गया है. इस शो की कहानी एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने परिवार को बचाने के लिए बड़े ही कठिन मिशन पर निकलता है. स्टूडियो शक्ति प्रोडक्शंस के बैनर तले बी.एस. राधाकृष्णन द्वारा प्रोड्यूस की गई इस सीरीज को मिलिंद राऊ, धीरज वैद्य और दीप्ति गोविंदराजन ने लिखा और क्रिएट किया है.

इस सीरीज़ में लोकप्रिय तमिल अभिनेता आर्य मुख्य भूमिका में हैं, जिनके साथ दिव्या पिल्लई, आझिया, आडुकलम नरेन, जॉर्ज मायन, पी.एन. सनी, मुथुकुमार के., कलैरानी एस.एस., जॉन कोक्कन, पूजा , वी. जयप्रकाश, अर्जुन चिदम्बरम, और थलाइवासल विजय जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों ने भी बेहद अहम किरदार निभाए हैं.

द विलेज सीरीज़ 24 नवंबर को भारत के साथ-साथ दुनिया भर के 24० देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर तमिल में प्रीमियर के लिए तैयार है, जिसे तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में डब किया गया है. वहीं इसके सबटाइटल अंग्रेजी में भी उपलब्ध हैं. (आरएनएस)

रिवीलिंग लहंगा पहन मलाइका ने रैंप पर बिखेरा हुस्न की अदाओं का कहर

बॉलीवुड की फिटनेट क्वीन मलाइका अरोड़ा हमेशा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय रहती हैं। एक्ट्रेस अपनी पर्सनैलिटी से बॉलीवुड की यंग अभिनेत्रियों को भी टक्कर देती हैं। मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में एक इवेंट में शिरकत की थी, जिसमें उनका बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लुक देखकर फैंस उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। मलाइका अरोड़ा बी-टाउन की खूबसूरत और ग्लैमरस हसीनाओं में से एक हैं। फैंस भी उनकी हर एक झलक पाने के लिए उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने डांस और फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। हालांकि लोग भी उनकी किलर लुक्स की तारीफ करते हुए नहीं थकते हैं। हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने टाइम्स फैशन वीक इवेंट के दौरान बेहद ही स्टाइलिश लहंगा कैरी किया था, जिसकी सिजलिंग फोटोज उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में मलाइका अरोड़ा ने डीपनेक ब्लाउज और साथ ही रिवीलिंग लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो बला की खूबसूरत नजर

आ रही हैं। गले में बड़ा सा नेकलेस, ग्लैम मेकअप और बोलों को स्टाइलिश लुक देकर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपनी इस खूबसूरती को और भी शानदार तरीके से निखारा है।

मलाइका अपने हर एक लुक से सोशल मीडिया पर आग लगा देती हैं। हालांकि एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ट्रेडिशनल आउटफिट में फोटोज शेयर कर फैंस के बीच कहर बरपा दिया है। बता दें कि एक्ट्रेस 5० साल की हो चुकी हैं, लेकिन अभी भी अपने फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस के बीच महफिल लूट लेती हैं। मलाइका अरोड़ा इन तस्वीरों को शेयर हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 1 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिया है।

निर्देशक अनिल शर्मा ने शुरू की अपनी फिल्म जर्नी की शूटिंग

सनी देओल और अमीषा पटेल की गदर 2 को मिली शानदार सफलता के बाद से ही निर्देशक अनिल शर्मा चर्चा में बने हुए हैं।फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था।इस सबके बीच अब निर्देशक अपनी नई फिल्म जर्नी की तैयारी में जुट गए हैं, जिसमें नाना पाटेकर और उनके बेटे उत्कर्ष शर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। खबर यह है कि जर्नी की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

अनिल ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह पाटेकर और उत्कर्ष के साथ नजर आ रहे हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले निर्देशक ने पाटेकर और उत्कर्ष के साथ काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए।उन्होंने कैप्शन में लिखा, फिल्म गदर 2 के बाद काशी विश्वनाथ के आशीर्वाद से नई जर्नी शुरू होती है।

अपने करियर के इस नए चैप्टर के बारे में उत्साह व्यक्त करते हुए, उत्कर्ष ने साझा किया- मैं वास्तव में रोमांचित हूं कि मेरी नई जर्नी शुरू हो गई है, और फिल्म का नाम ही जर्नी है। इस स्क्रिप्ट पर कुछ सालों से काम चल रहा है और यह खूबसूरती से तैयार की गई है। यह कहानी न सिर्फ मेरे दिल के करीब है बल्कि हर भारतीय के मन से जुड़ी है।

एक्टर ने आगे कहा, मुझे विश्वास है कि वे इस खूबसूरत यात्रा का आनंद लेंगे, और आज जब हम इस साहसिक यात्रा पर निकल रहे हैं, तो मैं विनम्रतापूर्वक उनका आशीर्वाद और प्यार चाहता हूं। मैं बस इतना ही मांग सकता हूं। हम अपनी यात्रा पर निकल रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस रोमांचक यात्रा में हमारे साथ शामिल होंगे।

उत्कर्ष का मानना है कि शहर की आध्यात्मिक आभा इस प्रोजेक्ट को एक अनूठी ऊर्जा से भर देगी और एक सिनेमैटिक मास्टरपीस का निर्माण करेगी।

गदर फेम एक्टर ने कहा, वाराणसी अपने आध्यात्मिक महत्व के लिए जाना जाता है, और यहां का माहौल अविश्वसनीय रूप से सकारात्मक है। जब आपके साथ भगवान शिव का आशीर्वाद और शहर की दिव्य ऊर्जा है, तो कुछ भी गलत नहीं हो सकता।

यह फिल्म एक पिता और बेटे के रिश्ते पर आधारित है, कहानी में उनकी भावनाओं को दिखाया जाएगा।

सलमान खान की फर्रे का प्रीमियर भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में होगा

मौजूदा वक्त में सलमान खान अपनी आगामी फिल्म टाइगर 3 को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा सलमान अपने प्रोडक्शन हाउस सलमान खान फिल्म्स के तले बन रही फिल्म फर्रे को लेकर भी सुर्खियां बटोर रहे हैं।इस फिल्म के जरिए सलमान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। खबर यह है कि फर्रे का प्रीमियर गोवा में 54वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में होगा।

54वां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव इस महीने की 2० तारीख से गोवा में आयोजित किया जाएगा, जो 28 नवंबर तक चलेगा।सलमान ने कहा, आईएफएफआई एक बहुत ही प्रतिष्ठित कार्यक्रम है और मुझे खुशी है कि इसमें फर्रे की स्क्रीनिंग की जा रही है। पिछले कुछ सालों में मेरे पास आईएफएफआई की आई सुखद यादें हैं। मैं पूरी टीम को बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी।

फर्रे का निर्देशन सौमेंद्र पाधी ने किया

है और इसे अभिषेक यादव और पाढ़ी ने लिखा है। फिल्म अकादमिक धोखे की जटिल दुनिया पर प्रकाश डालती है, जहां एक छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता, अनाथ प्रतिभाशाली नियति, अपने समृद्ध साथियों द्वारा संचालित एक उच्च-स्तरीय धोखाधड़ी रैकेट में अनजाने में फंस जाती है।

आईएफएफआई में फिल्म की स्क्रीनिंग के बारे में बात करते हुए, बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने कहा- आईएफएफआई एक बहुत ही प्रतिष्ठित कार्यक्रम है और मुझे खुशी है कि इसमें फैरे की स्क्रीनिंग की जा रही है। मेरे पास वर्षों से आईएफएफआई की कुछ अच्छी यादें हैं और फैरे के इसमें शामिल होने के साथ सम्मानित पैनल यह एक पूर्ण चक्र की तरह लगता है। मैं फैरे की पूरी टीम को शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि दर्शक फिल्म का आनंद लेंगे। अलीजेह सलमान की भतीजी हैं और अतुल और अलवीरा खान अग्निहोत्री की बेटी हैं। फर्रे 24 नवंबर को रिलीज होगी। (आरएनएस)

भ्रष्टाचार के मुद्दे से भरोसा उठा

हरिशंकर व्यास

आजाद भारत में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सत्ता बदलती रही है। सबको याद होगा कि कैसे बोफोर्स घोटाले की चर्चा से राजीव गांधी की चार सौ से ज्यादा लोकसभा सीट वाली कांग्रेस हारी थी और 2जी, कोयला आदि के घोटालों की चर्चा से मनमोहन सिंह की सरकार सत्ता से बाहर हुई थी। 1996 में भी पीवी नरसिंह राव की सरकार के जाने के पीछे एक कारण सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप भी थे। अरविंद केजरीवाल का एक परिघटना के रूप में उभरना भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लोगों की नाराजगी का सबसे बड़ा सबूत है। लेकिन दुर्भाग्य से अरविंद केजरीवाल की वजह से ही भ्रष्टाचार के मुद्दे से लोगों का भरोसा उठा है। केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार भी कम जिम्मेदार नहीं है लेकिन मोदी के मुकाबले केजरीवाल ने ईमानदार राजनीति का ज्यादा प्रचार किया था और जब लोगों ने देखा कि उनके जीवन में इससे कोई बदलाव नहीं आया और केजरीवाल भी वैसी ही राजनीति करते रहे, जिसे बदलने का दावा करके वे आए थे तो लोगों का भारी मोहभंग हुआ। ऐसा नहीं है कि यह मोहभंग हमेशा के लिए है। हो सकता है कि कुछ समय के बाद फिर कोई मसीहा निकले और भ्रष्टाचार के मसले पर लोगों को जागरूक करे लेकिन फिलहाल इसकी संभावना नहीं दिख रही है।

सवाल है केजरीवाल ने ऐसा क्या किया, जिससे लोगों का भ्रष्टाचार के मुद्दे से भरोसा उठ गयाय इस सवाल के जवाब में कई काम गिनाए जा सकते हैं। पहला, केजरीवाल ने दिल्ली में सरकार बनने के बाद ऐलान किया था कि भ्रष्टाचार खत्म करेंगे। उन्होंने अपनी तरफ से तो कोई पहल नहीं की उलटे आम लोगों से कहा कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत मांगता है तो उसकी वीडियो बना लें और उसे सरकार को भेजें। इसके लिए व्हाट्सऐप के नंबर भी जारी किए गए। सोचें, यह कितनी अव्यावहारिक बात हैय क्या यह संभव है कि कोई मोबाइल चला कर वीडियो बनाए और कर्मचारी उससे रिश्वत मांगेय ऐसा तो तभी हो सकता था, जब आम नागरिक स्टिंग जर्नलिस्ट बन जाए! इसके बावजूद सवाल है कि केजरीवाल सरकार की इस बेहद अव्यावहारिक और बचकानी योजना का क्या हुआय इसमें कितने लोगों ने वीडियो या ऑडियो रिकॉर्ड करके सरकारी कर्मचारियों की शिकायत की और उसमें कितने लोगों पर कार्रवाई हुईय इसका कोई आंकड़ा सरकार जारी नहीं करती है। अब वह योजना चल रही है या बंद हो गई इसके बारे में भी किसी को जानकारी नहीं है।

दूसरा, केजरीवाल की पहली सरकार से उनके विधायकों और मंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे थे। सबसे पहला शिकार जितेंद्र तोमर हुए थे, जिनकी फर्जी कानून की डिग्री पकड़ी गई थी। सोचें, आज केजरीवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री देखने के लिए इस अदालत से उस अदालत तक भाग रहे हैं, लेकिन उन्होंने खुद ही एक फर्जी कानून की डिग्री वाले नेता को कानून मंत्री बनाया था। हैरानी की बात है कि वे अब भी आम आदमी पार्टी के विधायक हैं। यानी उनको बाद में भी टिकट दी गई।

तीसरा, अरविंद केजरीवाल को पहली बार 2018 में राज्यसभा सदस्य बनाने का मौका मिला तो उन्होंने दिल्ली की तीन सीटों में से दो सीटों पर दो बिल्कुल अनजान कारोबारियों को टिकट दे दी। संजय सिंह पार्टी के नेता थे तो उनको राज्यसभा भेजा गया। लेकिन किसी को केजरीवाल ने यह बताना जरूरी नहीं समझा कि एनडी गुप्ता और सुशील गुप्ता को किस योग्यता के आधार पर राज्यसभा में भेजा गयाय इससे अपने आप यह मैसेज बना कि जिस तरह से दूसरी पार्टियां किसी फायदे के लिए कारोबारियों को राज्यसभा भेजती हैं वैसे ही केजरीवाल ने भी किया है। दूसरी बार उनको 2022 में पंजाब से सात राज्यसभा सांसद बनाने का मौका मिला तो उन्होंने पार्टी के नेता राघव चड्ढा के अलावा बाकी छह सीटों पर इधर उधर के कारोबारी, खिलाड़ी आदी भर दिए। लोग इतने मूर्ख नहीं हैं कि उनको नहीं पता है कि हजारों करोड़ रुपए का कारोबार करने वालों को आपने किस वजह से राज्यसभा में भेजा है।

चौथा, केजरीवाल ने अपनी राजनीति के शुरुआती दिनों में देश के भ्रष्ट नेताओं की एक सूची बनाई थी। शरद पवार से लेकर लालू प्रसाद और मुलायम सिंह यादव तक के उसमें नाम थे। एक बार तो प्रेस कांफ्रेंस करके उन्होंने 28 नेताओं की एक सूची जारी की थी। बाद में सबने देखा कि कैसे वे इन्हीं नेताओं के साथ मंच साझा करने लगे या अपने राजनीतिक फायदे के लिए इनके दरवाजे पर चक्कर काटने लगे। उन्होंने कई दिवंगत अरुण जेटली से लेकर नितिन गडकरी तक पर अनेक आरोप लगाए और बाद में माफी मांगी। इन सबसे भी वैकल्पिक राजनीति से लोगों का भ्रम टूटा।

पांचवां, केजरीवाल और उनकी पार्टी के नेताओं ने संकल्प जताया था कि उनकी सरकार बनेगी तो वे बड़ा बंगला नहीं लेंगे, सरकारी गाड़ी नहीं लेंगे और सुरक्षा नहीं लेंगे यानी वीआईपी कल्चर नहीं अपनाएंगे। लेकिन पिछले करीब नौ साल में इसकी पोल खुल गई है। केजरीवाल ने कई बंगले मिला कर अपने लिए एक बंगला बनवाया, जिसकी रेनोवेशन पर 50 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए गए। मीडिया की खबरों के मुताबिक उनके छह लोगों के परिवार के लिए 28 लोगों का स्टाफ काम करता है और वे कई गाडियों के काफिले से चलते हैं। उनके लिए भी रूट लगता है और ट्रैफिक रोका जाता है। उनकी पार्टी के कई राघव चड्ढा जैसे युवा नेता भी जेड सुरक्षा घेरे में घूमते हैं और पंडारा रोड के टाइप सात के बंगले के लिए ऐसे कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं कि अगर वह बंगला नहीं मिला तो जीवन व्यर्थ जाएगा। केजरीवाल के सारे नेता बड़े बंगलों में रहते हैं और बड़ी गाडियों के काफिले लेकर चलते हैं।

छठा, दिल्ली में फरवरी 2015 से केजरीवाल की पूर्ण बहुमत की सरकार है और पिछले एक साल से दिल्ली नगर निगम पर भी उनका कब्जा है। इसके बावजूद दिल्ली सरकार या एमसीडी का रिश्वत के मामले में क्या रिकार्ड है इसे नागरिक जानते है। सडयों पर कूड़ा पड़ा है। नालियां जाम हैं और सबने देखा कि कैसे बाढ़ और बारिश का पानी दिल्ली की गलियों और लोगों के घरों तक पहुंचा। अभी पूरी दिल्ली गैस चैम्बर बनी है। हवा जहरीली हो गई है। केजरीवाल ने पंजाब में सरकार बनने पर पराली जलाने से रोकने और दिल्ली के लोगों को राहत देने का वादा किया था। लेकिन न तो पराली जलना बंद हुआ और न दिल्ली में प्रदूषण कम करने का कोई उपाय हुआ।

सातवां, एक के बाद घोटाले खुले हैं। केजरीवाल हर मामले के लिए केंद्र सरकार की एजेंसियों को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते हैं। पंजाब में कई विधायक और मंत्री राज्य की एजेंसियों द्वारा रिश्वत के आरोप में पकड़े गए हैं। हवाला के आरोप में दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन महीनों जेल में रहे तो शराब नीति घोटाले के आरोप में उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदया आठ महीने से ज्यादा समय से जेल में हैं। उसी आरोप में राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी जेल में हैं। इस तरह की सूची बहुत लम्बी हो जाएगी। लेकिन इन सबका कुल जमा निचोड़ यह है कि जनता का मोहभंग हुआ। उसको लगा कि सब एक जैसे हैं और यही कारण है कि आज ईमानदारी की राजनीति का कहीं कोई मतलब नहीं रह गया है। चुनाव में नेता भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं और जीतने के बाद उसे भूल जा रहे हैं। कर्नाटक में 40 फीसदी कमीशन का आरोप भाजपा सरकार पर कांग्रेस ने लगाया था लेकिन सरकार में आने के बाद उसने किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। तभी अब पार्टियां जातीय समीकरण या जाति गणना, आरक्षण और मुफ्त की रेवडियों पर चुनाव लड़ रहे हैं।

सू- दोकू क्र.091

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.90 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

केंद्रीय नियंत्रण के औजार ?

केंद्र के प्रतिनिधि के तौर पर राज्यपालों से अपेक्षित है कि राज्य में हो रही गतिविधियों से केंद्र को अवगत रखें तथा जरूरत पडने पर राज्य सरकार को उचित परामर्श दें। लेकिन वे निर्वाचित सरकारों के कामकाज में व्यवधान डालने लगें, यह कतई अपेक्षित नहीं हैं।

एक महीने के भीतर केरल की सरकार राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ दूसरी बार सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। जबकि केरल, तमिलनाडु और पंजाब सरकारों की तरफ अपने-अपने राज्यपालों के खिलाफ दायर मामले की सुनवाई अभी चल ही रही है। केरल की लेफ्ट फ्रंट सरकार की शिकायत है कि राज्यपाल विधानसभा से पारित विधेयकों पर अपना दस्तखत नहीं कर रहे हैं। ना ही वे विधेयकों को पुनर्विचार के ले विधानसभा को लौटा रहे हैं। ठीक यही शिकायत लेकर पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार भी राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गई है। तमिलनाडु में तो डीएमके सरकार और राज्य आरएन रवि के बीच टकराव के कई बिंदु हैं। वैसे यह कहानी सिर्फ इन तीन राज्यों की नहीं है। बल्कि कई ऐसे राज्यों में इसे लगभग इसी तरह दोहराया गया है, जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं है। इस रूप में देखा जाए, तो एक साफ पैटर्न उभरा है।

इसलिए विपक्षी दलों की इस शिकायत में दम है कि जिन राज्यों में भाजपा मतदाताओं के समर्थन से सत्ता में नहीं आ पाती, वहां केंद्र में स्थित उसकी सरकार राज्यपालों के जरिए आम प्रशासन को दूभर बनाने का काम करती है। इस तरह संघीय व्यवस्था एवं संवैधानिक भावनाओं का उल्लंघन हो रहा है। तीन राज्यों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसी हफ्ते जो टिप्पणियां कीं, उसका साफ संकेत है कि इस अवस्था से मानवीय न्यायाधीश भी व्यग्र हैं। कोर्ट ने कहा कि इससे पहले की ऐसे मामले उस तक पहुंचे, राज्यपालों को इन्हें अपने स्तर पर ही निपटा लेना चाहिए। बेशक यह मामला पेचीदा और संवेदनशील है। संविधान के मुताबिक राज्यपाल राज्यों में केंद्र के प्रतिनिधि हैं और उनकी खास गरिमा होती है। केंद्र के प्रतिनिधि के तौर पर उनसे अपेक्षित है कि राज्य में हो रही गतिविधियों से केंद्र को अवगत रखें तथा जरूरत पडने पर राज्य सरकार को उचित परामर्श दें। लेकिन वे निर्वाचित सरकारों के कामकाज में व्यवधान डालने लगें, यह कतई अपेक्षित नहीं हैं। यह सबको याद रखना चाहिए कि भारतीय व्यवस्था में राज्य एक संवैधानिक इकाई हैं- वे केंद्र के मातहत नहीं हैं।(आरएनएस)

संसद का शीतकालीन सत्र बहुत छोटा होगा

संसद का शीतकालीन सत्र इस साल भी बहुत छोटा रहने वाला है। पिछले कुछ समय से लगातार संसद के सत्र छोटे होते जा रहे हैं। आमतौर पर हर सत्र एक महीने का होता था और बजट सत्र के दोनों चरण मिला कर दो महीने सत्र चलता था। लेकिन अब सत्र की अवधि कम होती जा रही है और उसमें भी निर्धारित अवधि से पहले ही सत्र समाप्त कर दिया जा रहा है। इसके अलावा हर साल किसी न किसी सत्र के समय देश के किसी न किसी राज्य में विधानसभा चुनाव चल रहे होते हैं तो उस नाम पर भी सत्र देर से बुलाया जाता है और जल्दी समाप्त कर दिया जाता है। इसमें सारी पार्टियां शामिल होती हैं। संसद का शीतकालीन सत्र इस साल चार दिसंबर से शुरू होगा। आमतौर पर शीतकालीन सत्र नवंबर के तीसरे हफ्ते में शुरू होता था और दिसंबर के तीसरे हफ्ते तक यानी एक महीने चलता था। अभी पांच राज्यों के चुनाव चल रहे हैं, जिसके नतीजे तीन दिसंबर को आएंगे। इस वजह से उसके बाद ही संसद सत्र का आयोजन होगा। उसके बाद वैसे भी सत्र ज्यादा नहीं चला सकते हैं क्योंकि क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के लिए सांसदों को जाना होता है। सो, 22 दिसंबर को सत्र समाप्त किया जा रहा है। पिछले साल इसी तरह गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव की वजह से संसद का शीतकालीन सत्र सात दिसंबर से शुरू हुआ था और दो हफ्ते में ही समाप्त हो गया था। (आरएनएस)

एलबीएस एकेडमी के प्रोग्राम आफिसर के घर का ताला तोड चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने लालबहादुर शास्त्री एकेडमी के चीफ प्रोग्राम आफिसर के मकान का ताला तोडकर वहां से सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार लाल बहादुर नेशनल एकेडमी आफ एडमिनिस्ट्रेशन मसूरी की चीफ प्रोग्राम आफिसर श्रीमति अंजलि चौहान ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका यहां देहरादून रोड पर मकान है। आज जब वह अपने मकान में पहुंची तो देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर घर का सामान चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने पांवटा रोड पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा उसको रूकने का इशारा किया तो वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 11 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम मारूफ पुत्र असगर निवासी ग्रामं कुंजा विकासनगर बताया।

साइबर ठगों ने स्कूल संचालक को बनाया निशाना

संवाददाता

देहरादून। साइबर ठगों ने स्कूल संचालक को निशाना बनाते हुए उससे चालीस हजार रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मसूरी के एक स्कूल की संचालिका श्रीमती श्री मुखर्जी ने मसूरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पास स्काईपे कॉल के माध्यम से कॉल आयी उसको काल कर डराया गया कि उसने मानवीय तस्करी का अपराध कि या है। काफी विस्तृत पूछताछ के बाद अरेस्ट वारंट व नोटिस दिखाये गये उसको एकाउंट डिटेल देने को कहा गया। वह डर गयी और उसने उनके बताये खाते में चालीस हजार रूपये डलवा दिये। जिसके बाद उसको साइबर ठगी का शक हुआ। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चरस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने भूडपुर अम्बेडकर मूर्ति के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 190 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम पवन कुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी नयागांव पेलियो बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

चालीस घंटे से रेस्क्यू कार्य ठप...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

एनएचआईडीसीएल के डायरेक्टरअंशु मालिक से जब यह पूछा गया कि ऑपरेशन क्यों रोका हुआ है और कब शुरू होगा तो उन्होंने कहा कि जिस आगर मशीन से अब तक काम चल रहा था वह बहुत हाई पावर मशीन है उसके सुरंग में चलने से इतना अधिक वाइब्रेशन हो रहा है कि सुरंग में दरारें आने लगी है तथा कंपन से मलवा भी बाहर की ओर आ रहा है किसी दूसरे हादसे की आशंका के मद्देनजर काम रोका गया है लेकिन यह काम जारी रखा जाएगा। इंदौर से मंगाई गई मशीन के बारे में उन्होंने कहा कि यह मशीन स्टैंडबाई में रखी जाएगी अगर किसी कारणवश पहले मशीन काम न कर पाए तो दूसरी मशीन से काम किया जा सके। उन्होंने यह भी भरोसा जरूर दिलाया कि काम जारी रहेगा, दूसरे विकल्प तलाशे जाने के बारे में किए गए सवाल पर उन्होंने कहा कि हमें किसी भी स्थिति से निपटने के लिए नए विकल्प तो तैयार करने ही पड़ेंगे। क्योंकि ऐसी स्थिति में कब क्या होता है इसका कोई भरोसा नहीं होता। उधर जो लोग सुरंग में फंसे हैं उनके परिजनों के यहां पहुंचने का सिलसिला भी जारी है वह अपनों से पाइप के जरिए बात भी कर रहे हैं तथा यह जानकर कि वह सुरक्षित है उन्हें संतोष भी है लेकिन रेस्क्यू में लंबे होते समय के कारण वह चिंतित व बेचैन भी हैं।

श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि टनल में फंसे सभी श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं।

आज यहां श्रमिकों के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शासकीय आवास पर अधिकारियों के साथ सिल्क्यारा (उत्तरकाशी) में टनल में फंसे श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने के लिए चलाए जा रहे बचाव कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान रेस्क्यू ऑपरेशन में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाये जाने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी लगातार बचाव अभियान का अपडेट लिया जा रहा है, ग्राउंड जीरो पर कार्य कर रहीं एजेंसियों को प्रदेश सरकार द्वारा हर संभव सहयोग दिया जा रहा है। टनल में फंसे सभी श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और

इस दिशा में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों के परिजनों के लिए रहने, खाने एवं स्वास्थ्य सभी व्यवस्थाएं की जाय। श्रमिकों के परिजनों से लगातार समन्वय बनाकर राहत एवं बचाव कार्यों का अपडेट देने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिए हैं।

समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार, सचिव मुख्यमंत्री शैलेश बगौली, विनय शंकर पांडे, अपर पुलिस महानिदेशक ला एंड ऑर्डर अंशुमन, सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी उपस्थित थे।

❑मुख्यमंत्री ने सिल्क्यारा रेस्क्यू आपरेशन का लिया अपडेट

संबंधी सुविधा राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने गढ़वाल कमिश्नर को निर्देश दिए कि श्रमिकों के परिजनों के लिए चिन्यालीसौड़ और उसके आस-पास के क्षेत्र में रहने, खाने और स्वास्थ्य संबंधी

बदहाल सड़कें, बेपरवाह शासन-प्रशासन: यशपाल आर्य

संवाददाता

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सडक दुर्घटनाओं पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि बदहाल सडकें व बेपरवाह शासन प्रशासन के चलते इन्हें रोकना मुश्किल है।

आज यहां नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य उत्तराखंड में लगातार बढ़ते सड़क हादसे चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने नैनीताल में ओखलकांडा विकासखंड के अधौड़ा- मिडार मोटर मार्ग पर एक टैक्सी वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने पर 8 लोगों के अकस्मात निधन एवं कुछ लोगों के घायल होने के बाद मौके पर जाकर वस्तुस्थिति देखने के बाद मीडिया के सामने ये विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि इस मोटर मार्ग पर यह दुर्घटना पहली दुर्घटना नहीं है इससे पहले हुई दुर्घटनाओं में पहले ही

लोग भी लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि दुर्घटनाओं के मामले में राज्य की सभी सड़कों का यही हाल है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राज्य मार्ग मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्रतिदिन औसतन राज्य के तीन लोग सड़क हादसे में अपनी जानें गवां रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पिछले कुछ सालों के सड़क दुर्घटना के आंकड़े बहुत ही चिंतनीय हैं। उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों के अनुसार साल 2019 में 1352 सड़क दुर्घटनाएं हुई जिनमें 867 लोगों की मौत हुई और 1457 लोग घायल हुए। साल 2020 में 1041 हादसों में 674 मौत और 854 घायल हुए , वर्ष 2021 में उत्तराखंड में 1405 हादसों में 820 लोगों की जान गई और 1091 लोग घायल हुए । कुल मिलाकर राज्य में पिछले चार सालों में सड़क हादसों में 3403 लोगों ने जान गंवाई है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री, शासन और प्रशासन भले ही प्रदेश की सड़कों को को गड्ढा मुक्त करने के लाख दावे करें लेकिन सच्चाई जनता अपनी आंखों से देख रही है। आर्य ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव में तो डबल इंजन का वायदा करके भले ही सत्ता हासिल कर ले लेकिन हकीकत में उत्तराखंड में विकास का सिंगल इंजन भी काम नहीं कर रहा है।

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में निकाली प्रभात फेरी

संवाददाता

देहरादून। श्री गुरू नानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सिख सेवक जत्थे ने प्रभात फेरी निकाली।

आज यहां श्री गुरु नानक देव जी महाराज का पावन प्रकाश पर्व 27 नवम्बर 2023 को पुरे संसार में श्रद्धा पूर्वक मनाया जा रहा है जिसके संबंध में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार के तत्ववाधान सिख सेवक जत्थे ने प्रभात फेरियां निकालनी आरम्भ कर दीं है जो कि 26 नवम्बर 2023 तक संगत को जाग्रत करने के लिये निकाली जाएंगी। आज प्रात: 5.0 बजे गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार में संगत एकत्रित हुई और अरदास के पश्चात संगत लाइनवध तरीके से शब्द 'कल तारण

गुरु नानक आया' का गायन करते हुए होटल विक्टोरिया में सरदार तरणजीत सिंह चावला के यहाँ शब्द 'सतगुरु नानक प्रगटिया, मिटी धुंध जग चानन होया' का गायन किया, सर्वत्र के भले की अरदास एवं प्रशाद वितरित किया गया। वापसी में शब्द गायन करते हुए गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में पहुंचे स प्रभात फेरी में निशान साहिब की सेवा रोहित सिंह ने की। प्रभात फेरी में मुख्यरूप से जत्थे के उपाध्यक्ष राजिंदर सिंह राजा, सरदार मनजीत सिंह एवं सरदार सुरजीत सिंह कोहली, संरक्षक गुरप्रीत सिंह जोली, सेक्रेटरी अरविन्दर सिंह, जत्थेदार सोहन सिंह, अरविन्द सिंह, सुरेंदर सिंह, गुरदियाल सिंहआदि एवं स्त्री सतसंग की बीबियां शामिल थी।

एक नजर

यमन में भारतीय नर्स की बढ़ीं मुश्किलें, मौत की सजा के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। 2017 से यमन की जेल में कैद भारतीय नर्स की सजा-ए-मौत पर अमल का खतरा बढ़ गया है। यहां के सुप्रीम कोर्ट ने सजा के खिलाफ दायर की गई अपील खारिज कर दी है। मूल रूप से केरल की रहने वाली नर्स का नाम निमिषा प्रिया है। उसे तलाल अब्दो मेहदी नाम के शख्स को कथित रूप से बेहोशी का इंजेक्शन देकर मारने का दोषी पाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक- निमिषा करीब 12 साल पहले यमन गई थीं। उनके पति और बेटी 2014 में भारत लौट आए थे। नौकरी की वजह से निमिषा नहीं लौट सकीं थीं। दरअसल, उन्होंने यमन

के नागरिक तलाल अब्दो मेहदी (मृतक) के साथ एक हॉस्पिटल शुरू किया। कुछ वक्त बाद दोनों में विवाद शुरू हो गया। तलाल ने निमिषा का पासपोर्ट छीनकर अपने पास रख लिया। निमिषा ने जब इसकी शिकायत यमन की अथॉरिटीज से की तो तलाल ने उन्हें बताया कि वह निमिषा का पति है। अथॉरिटीज ने कहा कि यह पति-पत्नी के बीच का मामला है। हम दखल नहीं देंगे। 25 जुलाई 2017 को निमिषा ने तलाल को बेहोशी का इंजेक्शन यह सोचकर दिया कि वह अपना पासपोर्ट हासिल कर लेंगी और भारत वापस आ जाएंगी लेकिन तलाल की मौत हो गई। निमिषा ने एक और शख्स की मदद से तलाल के शव को ठिकाने लगा दिया। निमिषा को गिरफ्तार कर लिया गया। निमिषा को सजा-ए-मौत सुनाई गई। उनके सहयोगी को ताउम्र जेल की सजा सुनाई गई।

गाजा के अल शिफा अस्पताल में आईसीयू में भर्ती सभी मरीजों की मौत!

नई दिल्ली। गाजा के अल शिफा अस्पताल में भारी तबाही मची हुई है। इजराइली रेड में आईसीयू में भर्ती सभी मरीजों की मौत हो गई है। अस्पताल के डायरेक्टर मुहम्मद अबू सल्मिया ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि इजराइली रेड में एक रात में 22 मरीजों की मौत हो गई है। सल्मिया ने कहा कि तीन दिन के भीतर अल शिफा अस्पताल में 55 लोगों की जान चली गई है।

अस्पताल में 7000 से ज्यादा लोग अभी भी फंसे हुए हैं। इनमें मरीज, मेडिकल स्टाफ कर्मचारी और शेल्टर होम में रहने वाले लोग शामिल हैं। बता दें कि इजराइली सेना गाजा के अल शिफा अस्पताल को लगातार निशाना बना रही है। आईडीएफ ने अल शिफा अस्पताल के नीचे सुरंग होने का दावा किया है। अल शिफा गाजा का सबसे बड़ा अस्पताल है। इजराइली सैनिकों ने यहां कई घंटों तक ऑपरेशन चलाए हैं। आईडीएफ का कहना है कि अल शिफा अस्पताल का हमास का हेडक्वार्टर है। वहां हमास का कमांड सेंटर है। इजराइली सेना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए दावा किया है कि सर्च ऑपरेशन में बड़ी संख्या में हथियार और हमास का एक पिक-अप ट्रक मिला है।

दिल्ली में केमिकल छिड़काव के बाद भी नहीं साफ हुई यमुना!

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में छठ पर्व से पहले यमुना को साफ और स्वच्छ करने को लेकर दिल्ली जल बोर्ड के द्वारा बीते दो दिनों से केमिकल का छिड़काव कराया जा रहा है, बावजूद इसके जहरीला झाग कम होता नजर नहीं आ रहा। आज सुबह भी कालिंदी कुंज में यमुना नदी में बड़ी मात्रा में झाग नजर आया। झाग को खत्म करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड के कर्मचारी नाव पर सवार होकर

लगातार केमिकल का छिड़काव कर रहे हैं। झाग के चलते छठ मनाने वाले श्रद्धालुओं की मुश्किलें बढ़ गई हैं। छठ का व्रत रखने वाली महिलाएं घुटने तक पानी में उतरकर सूर्य का अर्घ्य देती हैं। जहरीले झाग के बीच यमुना में उतरने पर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में व्रतियों के सामने मुश्किल यह है कि वे कैसे पूजा करेंगी। वहीं अब इसको लेकर सियासत भी शुरू हो गई है। भाजपा ने आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यमुना के पानी के ऊपर सफेद झाग की परत ने छठ पर्व मनाने वाले पूर्वांचली लोगों की भावनाओं को आहत किया है। दिल्ली सरकार की मंत्री और आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेत्री आतिशी मार्लेना ने गुरुवार को कहा था कि यमुना से जहरीले झाग को हटाने के लिए चल रहे प्रयास में फूड ग्रेड केमिकल्स का उपयोग शामिल है। उन्होंने आगे दावा किया था कि जहरीला झाग अगले दो दिनों में गायब हो जाएगा। लेकिन उनका यह दावा हवा हवाई साबित होता नजर आ रहा है।

अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का सरगना गिरफ्तार, 7 बाइक बरामद

❑तीन साथी फरार, गैंग का नाम रखा है 'आरडीएक्स'

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। अंतर्राज्यीय दुपहिया चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने गैंग के सरगना को चोरी की सात मोटरसाइकलों सहित गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि गिरफ्तारी के दौरान उसके गैंग के तीन साथी फरार होने में कामयाब रहे जिनकी तलाश जारी है। गैंग का नाम इन शातिरों द्वारा आरडीएक्स रखा गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज शिवनन्दन शर्मा पुत्र आर के शर्मा निवासी ग्राम हरजौली जट्ट थाना मंगलौर हरिद्वार द्वारा थाना भगवानपुर में तहरीर देकर बताया गया कि मेरा पुत्र मेरी मोटरसाइकिल लेकर क्वांटम कालेज भगवानपुर मे अध्यन हेतु गया था। इस बीच किसी अज्ञात चोर द्वारा उक्त मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। बाइक चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयासों व एक सूचना के बाद देर रात क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया गया। चैकिंग के दौरान खेलपुर रोड स्थित खाद फैक्ट्री के पास दो बाइक सवार चार लडको को रूकने को कहा गया तो इनमे से 3 लोग रात्रि का फायदा उठाकर बाइक छोडकर खेतो मे भाग गये। जबकि एक व्यक्ति को पुलिस द्वारा मौके पर ही धर दबोचा गया। जिसने पूछताछ में अपना नाम आशु पुत्र द्वारपाल निवासी चन्देड़ा कोली थाना देवबंद जनपद सहारनपुर उत्तर प्रदेश हाल निवासी शिव सिटी कॉलोनी थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार बताया गया। जब पुलिस ने उससे बाइक के कागजात तलब किये तो वह दिखाने से नाकाम रहा। सख्ती से पूछताछ करने पर व साथियो के भागने का कारण पूछने पर उसने बताया कि यह बाइक हमारे द्वारा इसी माह के प्रारम्भ में क्वांटम कालेज भगवानपुर के पास से अपने फरार होने वाले साथियो के साथ मिलकर चोरी की गयी थी। बताया कि यह दोनो बाइक चोरी की है और मै अपने अन्य फरार हुये साथियो के साथ मिलकर अलग- अलग स्थानो से मोटर साईकिले चोरी करने का कामं करता हूं हमने इसके लिये आरडीएक्स नाम से एक गैग बना रखा है चोरी की गई मोटरसाइकिल को हम किसी सुनसान स्थान पर छुपाकर रख देते है व सौदा होने पर हम राह चलते लोगो को औने-पौने दामो मे मोटर साईकिल बेचकर पैसे आपस मे बांट लेते है। बताया कि हमने लक्सर , रूडकी, बहादराबाद व सहारनपुर देवबन्द से मोटरसाइकिल चोरी कर रखी है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की अन्य पांच बाइक भी बरामद की है। गिरफ्तार गैंग सरगना के फरार साथियों के नाम गौरव पुत्र शेर सिंह निवासी करोन्दी थाना भगवानपुर जिला हरिद्वार हाल निवासी सिसोना थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार, आकाश पुत्र नामालूम निवासी जड़ोदा पान्डा सहारनपुर व राहुल उर्फ लंगड़ा पुत्र विजय पेन्टर निवासी छुटमलपुर थाना फतेहपुर जनपद सहारनपुर बताये जा रहे है जिनकी तलाश में छापेमारी जारी है।

कंटेनर की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। कंटेनर की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बादरपुर सेलाकुई निवासी धर्मेश अपनी स्कूटी से बाजार से घर की तरफ जा रहा था जब वह धूलकोट तिराहे पास पहुंचा तभी सामने से आ रहे कंटेनर ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे धर्मेश थापा की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने मृतक के भाई राजेश थापा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने पार्किंग से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार निरंजनपुर निवासी अनिल राणा ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका कार्यालय जय प्लाजा में है। आज वह कार्यालय पहुंचा और उसने अपनी मोटरसाईकिल पार्किंग में खडी कर दी। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो शातिर चोर गिरफ्तार, लाखों की ज्वैलरी बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। घर से हुई लाखों की चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुराये गये लाखों के जेवरात भी बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीती 21 जुलाई को सैनिक कालोनी रूड़की गंगनहर निवासी एक महिला द्वारा कोतवाली गंगनहर में तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उनके घर से 275000 रूपये व सोने चांदी के जेवरात चोरी कर लिये गये है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा काफी मशक्कत के बाद बीती शाम एक सूचना के आधार पर पनियाला हाईवे लाठर देवा तिराहा के पास से दो लोगों को दो बाइक व चोरी के माल सहित दबोच लिया गया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम शोएब पुत्र वहीद निवासी ग्राम सुल्तानपुर थाना लक्सर जनपद हरिद्वार व शाकिर अली पुत्र नवाब निवासी ग्राम सुल्तानपुर थाना लक्सर जनपद हरिद्वार बताया।

पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।